

जोम पुं. (अर.) 1. उत्साह, उमंग 2. जोश, आवेश
3. अहंकार, अभिमान, घमंड।

जोर (जोर) पुं. (फा.) बल, शक्ति, ताकत 2.
प्रबलता, तेज़ी 3. वश, अधिकार मुहा. जोर करना-
बल प्रयोग करना, कुश्ती का अभ्यास करना; जोर
डालना- ताकत लगाना, विवश करना, बल का
प्रयोग करना, आग्रह करना; जोर देना- किसी
बात को बलपूर्वक कहना, आग्रह करना, हठ
करना; जोर मारना- खूब प्रयास करना, खूब कोशिश
करना, बल का प्रयोग करना; जोर पकड़ना- तेज
होना, प्रबल होना।

जोर आजमाई स्त्री. (फा.) बल की जाँच या
परीक्षण।

जोरदार वि. (फा.) 1. बहुत ताकत या जोर वाला,
प्रबल 2. अच्छा कार्यकर्त्ता 3. कार्य और व्यवहार
में विशिष्ट और पटु 4. प्रचंड शक्तिशाली 5.
प्रभावी 6. महत्वपूर्ण, जोशीला।

जोर-शोर पुं. (फा.) 1. अत्यधिक प्रचंडता 2. पूर्ण
तत्परता, पूर्ण प्रबलता 3. अधिक जोश, उत्साह
4. हौसला।

जोरा-जोरी स्त्री. (फा.) 1. जबरदस्ती 2. अत्याचार
3. बलपूर्वक 4. बलपूर्वक छीनने का प्रयास।

जोरावर वि. (फा.) ताकतवर, बलवान।

जोरु स्त्री. (देश.) स्त्री, पत्नी, भार्या, गृहिणी,
घरवाली मुहा. जोरु का गुलाम- स्त्रैण, पत्नी के
वशीभूत; जोरु जाँता- गृहस्थी, घर परिवार।

जोलाहा पुं. (देश.) दे. जुलाहा।

जोश पुं. (फा.) 1. उफान, उबाल, आवेग, जोर 2.
उमंग, उत्साह, उत्तेजना, तीव्रता, तेजी, क्रोध,
गुस्सा मुहा. जोश खाना- उबलना, खौलना, आवेश
में आना; जोश देना- पानी के साथ उबालना;
जोश मारना- उबलना, मथना; जोश में आना-
उत्तेजित होना।

जोशन पुं. (फा.) बाजूबंद, एक प्रकार का गहना 2.
कवच, जिरह बख्तर।

जोशाँदा पुं. (फा.) जोश, उत्साह, उमंग, आवेग।

जोशिश स्त्री. (फा.) काढ़ा, क्वाथ।

जोशी पुं. (देश.) जोषी, गुजराती, महाराष्ट्री ब्राह्मणों
की एक जाति।

जोशीला वि. (फा.) जोश से भरा हुआ, आवेगपूर्ण।

जोष पुं. (तत्.) 1. प्रीति, प्रेम 2. सुख, सेवा 3.
आवेशपूर्ण।

जोषण पुं. (तत्.) प्रेम, प्रीति, सेवा।

जोषा स्त्री. (तत्.) स्त्री, नारी, महिला।

जोषिका स्त्री. (तत्.) 1. कलियों का गुच्छा 2.
नारी, स्त्री, औरत, महिला।

जोषिता स्त्री. (तत्.) योषिता, नारी, औरत, स्त्री।

जोहड़ स्त्री. (देश.) जोहड़, पोखर, छोटा तालाब,
बावली।

जोहना स.क्रि. (देश.) देखना, निहारना, ताकना,
अवलोकन करना 2. खोजना, ढूँढ़ना, पता लगाना
3. राह देखना, प्रतीक्षा करना।

जोहर पुं. (देश.) अभिवादन, प्रणाम, नमस्कार।

जौरा-भौरा पुं. (देश.) किले या महल का तहखाना
जिसमें खजाना रखा जाता था।

जौ पुं. (तद्.) 1. एक प्रकार का अनाज मुहा. जौ-
जौ बढ़ना- धीरे-धीरे बढ़ना, तिल-तिल बढ़ना; जौ-
भर- जौ के दाने के बराबर 2. एक पौधा जिसकी
लचीली टहनियों या तनों से टोकरे, झाड़ू आदि
बनाए जाते हैं।

जौक पुं. (तत्.) 1. सेना 2. कतार 3. झुंड, गिरोह।

जौजा स्त्री. (अर.) स्त्री, पत्नी, भार्या।

जौजीयत स्त्री. (अर.) पत्नीत्व।

जौधिक पुं. (तद्.) तलवारों के 32 हाथों में से एक।

जौबन पुं. (तद्.) यौवन।

जौहर पुं. (अर.) 1. रत्न, बहुमूल्य पत्थर 2.
राजस्थान की एक प्रथा जिसके अनुसार राजपूत
स्त्रियाँ आक्रामक मुस्लिमान शत्रुओं की विजय